TRIK. 3,3,345. MED. r. 24.

तेजपन्न (तेज = तेजम् + पन्न) m. das Blatt der Laurus Cassia ÇABDAR. im ÇKDR.

तेजल m. Haselhuhn (जिपिञ्जल) Ragan. im ÇKDR.

तंत्रवत् adj. und तेत्रवती (auch Buivapa, im ÇKDa.) f. = गत्रिपट्यली bei Wils. falsche Formen für तेत्रीवत्.

तिज्ञम् (von तिज्ञ्) n. 1) Schärfe, Schneide (des Messers u. s. w.); Spitze der Flamme, des Strahls u. s. w.; daher das Funkeln, Leuchten, Brennen und geradezu Glanz, Licht, Feuer. Naigh. 1, 17. AK. 3, 4, 21, 236. H. 101. an. 2,582. Med. s. 24. त्रिता: Acv. Gans. 1,17. शिशीत तेजी उपसी न धार्गम् १९४. ६,३,६. नीचा नि वृद्य वनिनं न तेर्नसा ८,६. तिरमेनं नस्तेर्नसा मं शिशाधि 15,19. vs. 10,30. इन्ह्रंस्य बाक्र्स्।मे दित्तीणः सक्स्नेभृष्टिः शत-तिजा: 1,24. त्रीणि वा श्रीदित्यस्य तेजीसि वसत्ती प्रातस्रीष्मे मध्यदिने गर-र्यपराह्ने TS. 2,1,2,5. उमें व्हि तेइसी (der Sonne und des Feuers) संपर्धते ТВк. 2,1,2,9. AV. 10,3, 17. 9,2, 15. 13,1, 30. नतत्राणाम् 7,13, 1. Çат. Вк. 11,6,2,3. 14,6,2,27. 9,15. तेज्ञाभिरापूर्व जगतसमयं भासस्तवायाः प्रतपति विन्नो Валь. 10,30. तेजश्चामि विभावसी ७,७. छ्यैधस्तेजसा विक्रः प्राप्तं नि-देकृति त्रणात् M.11,246. म्रादित्यस्तेत्रसा मृखम् MBB.2,1395. दिनासे नि-व्हितं तेज्ञः सिवत्रेव क्रताशनः (प्रतिपद्यते) Racu. 4, 1. म्रिष्टशय्यां परिता विसारिणा मृतन्मनस्तस्य निजेन तेजसा । निशीयदीपाः सक्सा कृतविपो बभूवः 3, 15. म्रचिर्भामा तेजः Cir. 166. हाइणधास्थितं तेजः die Sonne 186. तेज्ञाह्य Sonne und Mond 77. तेज:परिकाणिम्बात् (Sch.: = दीप्त-निवृत्तेरार्भ्य) Уаван. Ввн. S. 46, 21 (22). मृत्यं तेजीग्णस्य (मृक्ताफलस्य) 82(80,b),9. खम्, म्रनिलः, परं तेतः, म्रापः, गैाः M.12,120. पृथिट्यप्तेतेावा-ट्याकाशानीति मङ्ग्रिनानि Tattvas. 15. Tarkasangr. 8. Sccn. 4,149, 16. 169, 17. Phab. 27, 19. H. 21. vom Glanz, Feuer und der Schärfe der Augen: तेज़ा न चर्नुरहेया: (द्ध:) VS. 21, 48. तेज़ा वा एतदह्यार्यदाञ्चनम् Аіт. Вк. 1,3. तस्यातिभ्यामेव तेजो ऽस्रवत् ÇAT.BR. 12,7,1,2. DAÇ. 1,35. ह्रपं चत्-स्तया पाकिस्त्रविधं तेज उच्यते MBs. 12,7075. vom Glanz von Flüssiykeiten: म्रुपा तेजा ज्योतिराजा बर्लं च AV. 1,34,3. यदापामयं तेज म्रासी-त् ÇAT.Ba. 13,4,4,7. तेजी असि मुझानेस्यम्तेम् VS. 1,31. vom glänzenden, gesunden Aussehen des menschlichen Körpers, Ansehnlichkeit, Schönheit Suça. 1,51, 18 (viell. auch 48,5). म्रातिपत्तीमित्र प्रभा शशिन: स्वेन तेजसा N. 3, 13. माभ्रिष्टस्तत्कातितज्ञिसा Vid. 10. von der seurigen daher auch farbegebenden Kraft im menschlichen Organismus, welche im पित ihren Sitz hat: रिजितास्तेजसा लापः शरीरस्येन देन्तिनाम् Suga. 1, 43, 14. म्राक्तारस्य यस्तेज्ञाभूतः सारः परममूह्मः स रस इत्युच्यते ४. ९७,६. — 2) Feuer so v. a. Araft, Wirksamkeit, Energie, Lebenskraft; das Wirksame -, der wesentliche Gehalt einer Sache (Blüthe, Zierde u. s. w.), = जल AK. H. an. मधी विषस्य यत्तेजी अर्वाचीनं तेर्तु ते Av. 10,4,25. उद्धततेजीसि न भुञ्जीत ÇAREB. GRED. 4,11. एतदा म्र्योस्तेन्ना यह्तमेत्त्त्सीर्मस्य यत्पर्यः TS. 2,5,2,7. तेजो वा एतत्पश्नां यह्नतम् Air. Ba. 8,20. VS. 19,95. इमं ब्रियामि ते मणि दीर्घायुलाय तेर्जसे 🗚 🕶 19,28, 1. 12,3,2. 13,3,5. तेजी राष्ट्रस्य नि-र्द्धित 5,19,4. म्रा यदिषे नृपत्ति तेज्ञ म्रानंट् R.V.1,71,8. पुनर्मामैलिन्द्रियं पु-नस्तेजः पुनर्भगः ÇAT. BR. 14,9,4,5. 6. शत॰ 5,5,4,27. 4,1,13. 4,3,4,3. म्र्योः, तत्रस्य, ले।कृस्य M. 9,321. प्रज्ञा तेज्ञो वलं चत्रुगय्श्रीव प्रकीयते 4, 41. 42. 189. 218. तेजस्वी संतोभातप्रायः प्रतिपद्यते तेजः Çik. 158, v. l. ते-ज्ञावलसमायुक्तान् (श्रश्चान्) N. 19, 13. 20. तय् इमभवहे। रमशस्त्रं बाङ्कतेजसा

мвн. 4,354. न खल् वयस्तेजसो के्तुः Вилете. 2,31. रसादीनां प्रकातानां धातूना पत्परं तेजस्तत्रखत्वोजस्तरेव बलमित्पृच्यते die höchste Energie der sieben körperlichen Elemente nennt man Lebenskrast oder auch Kraft Suga. 1,50, 15. 114, 16. 180, 11. - 3) heftiges Wesen, energische Abwehr jedes Angriffes auf die Persönlichkeit, = पराক्रम Med. Im Gegens. zu तमा ergebenes Ertragen MBs. 3, 1031. 1034. 1062. ऋधितेपाप-मानादेः प्रयुक्तस्य परेण यत् । प्राणात्वये अव्यसकृनं तत्तेजः समुदाकृतम् ॥ San. D. 93. 89. तेजार तिसाक्सप्त Varan. Brn. 20 (19), 8. Daher im Sāmkhja so v. a. रजम् Colebr. Misc. Ess. I, 249; vgl. तेजस. — 4) geistige und moralische, auch magische Krast, - Wirkung; Einfluss, Ansehen, Hoheit, Würde, imponirendes Wesen, = प्रभाव AK. H. 740. H. an. Med. संवतसरस्य तेर्जासा तेर्न बग्नामि वा मणे Av. 3,8,8. 5,28,13. 10, 6,30. 13,4,49. ब्रीईम्बरस्य (मणी:) 19,31,3. 36,1. Kaug. 22. Çat. Br. 12, 2,4,8. ब्रह्म तत्रं पेवते तेर्ज इन्द्रियम् VS. 19,5. 6. AV. 13,1,14. वर्चस्तेज्ञा वलुमोर्जः 9,1,17. 10,5,36. (कालात्) नान्यत्पर्रमस्ति तेर्जः 19,53,4. तेजी ब्रह्मवर्चमन् Аіт. Вв. 1,5. Сат. Вв. 2,4,2,6. Катл. Св. 13,2, 19. 22,5,11. इन्द्रस्योजसा, ब्रव्हाणस्तेन्नसा 🗛 çv. ६ हम्म. २,६. इन्द्रस्यार्कस्य वायोद्य यमस्य वरुणस्य च । चन्द्रस्याग्नेः पृथिट्याश्च तेजीवृत्तं नृपश्चरेत् ॥ м. १,३०३. द्ऐडा क्ति मक्तेज्ञः ७,२४. तपप्तः R. 1,60,+4. नास्य (विश्वामित्रस्य) साद्रियतव्या-नि तेज़ांसि च तपांसि च R. Goka. 1,66,4. प्रविशत्तं च मां तत्र न किश्चड़-ष्टवानरः । स्रते ता पार्धिवम्तां भवतामेव तेजसा ॥ N. 4,26. R. 1,60,7. 2, 31, 19. श्रभिभवत्येष (नृपः) सर्वभूतानि तेजसा M.7,5. ब्राव्हां तेजः प्रशाम्यति 4, 186. Ragn. 2, 7. तेज्ञा न तर्घात्प्रयसाक्सवम् Varan. Ван. S. 74, 8. 80 (79), 3. तेजापुत Achtung gebietend, würdevoll 15, 11. म्निं ज्वालततेजसम् R. 1, 39, 10. — 5) eine glanzvolle, würdevolle Erscheinung, eine bedeutende Persönlichkeit (in concretem Sinne): त्रीणि तेत्रांसि नेाच्किष्ट म्रा-लगेत करा च न । ब्रग्निं गां ब्राह्मणं चैव MBa.13,5017. त्रीणि तेज्ञांसि ना-व्हिष्ट उदीतेत कदा च न । मूर्याचन्द्रमप्ती चैत्र नतत्राणि च प्तर्वशः (könnte, wenn es sich nicht enge an das Vorangehende anschlösse, zu 1. gestellt werden) 5018. तत्रेमं (sic) प्राण् मे पार्य चतुर्णा तेजसा मतम् । पृथि-ट्या (lies: पृथिट्या:) काश्यपस्याग्नेर्मार्काएउयस्य चैव कि ॥ 1540. न तदा जा-तवास्नोद्मः त्तित्रेया वापि महिधः। पश्चाज्ञातानि तेज्ञांसि तृपोषु ज्वलितं वया ॥ ४,७०८९. मक्तस्तेत्रसो वीतं वालो ऽयं प्रांतभाति मे Çik. 174. — 6) der männliche Same AK. 2,6,2,13. 3,4,24,236. H. an. MRD. तेडी मा-केश्वरं स्कनमग्री प्रपतितं पुरा MBB.9,2455. 13,4002. 4008. R. 1,37,11. fgg. Ragu. 2,75. डुड्यतेनाव्हितं तेज्ञा द्धानाम् — श्रवेव्हि तन्याम् Çik. 79. - 7) Mark. - 8) Galle (vgl. Ind. St. 1, 430, N. 6) Rigan. im ÇKDa. -9) frische Butter H. an. — 10) Gold Rigan. — Vgl. श्र., स्रियाः, उग्रः, तिरमः, निस्तेजस्, नृः, भूरिः, महाः, मंासः, मेर्स्तेजस्, रृक्तः, रसः, सः, सूर्य ः, तैज्ञसः

तंत्रस n. = तेत्रस् Kraft u. s. w. am Ende eines comp.: प्राणमहि ज्ञुतेत्रस-म् MBn. 3,8681. Vgl. u. तिरमतेत्रस्. भूरितेत्रस्.

तज्ञहकार (ते॰ + कार्) adj. Krast -, Lebenskrast u. s. w. verleihend Valus. im ÇKDR.

तेंज्ञस्त्राम (ते॰ + काम) adj. nach Kraft, Lebenskraft strebend M. 4, 44. nach Einfluss, Ansehen, Wirksamkeit, Hoheit strebend TS. 2, 2, 3, 4. Ait. Ba. 1, 5. Pańkav. Br. 14, 9. Âçv. Guhj. 1, 16. 3, 8. Çiñku. Çr. 14, 4, 1. 16, 1 u. s. w.